



मिशन
जहर मुक्त खेती,
स्वस्थ शरीर,
सुशहाल जिन्दगी

STAR TWENTY MARKETING PVT.LTD.

ALWAR (RAJASTHAN)

E-mail : starttwenty132020@gmail.com



लाईफ सेफ्टी कैप्सूल

मल्टी परपज हैल्थ प्रोडक्ट



लाईफ सेफ्टी स्वस्थ जीवन के लिए श्रेष्ठ विकल्प है। जो आप के शरीर की सभी बिमारियों से बचाता है। और आपको पूरा दिन पूरी जिन्दगी बिना थके काम करने के लिए जरूरी पोषक तत्व प्रदान करता है। यह एक अदभुत जड़ी बूटियों का मिश्रण है। जो सभी प्रकार की बिमारियों को दूर करती है।

नोट:- दुनिया का बेहतरीन हैल्थ प्रोडक्ट जो मानव शरीर को 700+ रोगों से बचाता है।

लाईफ सेफ्टी के फायदे



- * शारीरिक कमजोरी को दूर करता है।
- * आँतों की सफाई करता है।
- * कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।
- * गठिया बाय को रोकने में सहायता करता है।
- * विषैले तत्वों को बाहर निकालता है।
- * पोषक तत्वों की पूर्ति करता है।
- * नई सेल्स का निर्माण करता है।
- * शुगर को बैलेंस करता है।
- * गुप्त रोगों की समस्या से बचाता है।
- * मैन पावर को बढ़ाता है।
- * लकवा को ठीक करता है।
- * सोराईसिस की समस्या से बचाता है।
- * बवासीर की समस्या से बचाता है।
- * ब्लड प्रेशर पर नियंत्रण रखता है।
- * आँखों और दिमाग का पोषण करता है।
- * लीवर के सामान्य कार्य को बढ़ावा देता है।

- * चेहरे पर झुर्रियां नहीं होने देता है।
- * औरतों की सभी समस्याओं को सही करता है।
- * जोड़ों के दर्द को ठीक करता है।
- * हार्ट की समस्या से बचाता है।
- * नसों को ब्लॉक होने से बचाता है।
- * कैंसर की समस्या से बचाता है।
- * पथरी की समस्या से बचाता है।
- * नशा से छुटकारा दिलाता है।
- * बालों को झड़ने से रोकता है।
- * खून की कमी को दूर करता है।
- * थायरॉइड को ठीक करता है।
- * अस्थमा की बीमारी को ठीक करता है।
- * शरीर में प्रतिरक्षा प्रणाली को पोषण देता है।
- * मुंह के छाले, कब्ज से छुटकारा दिलाता है।
- * मिर्गी को दूर करता है।

नोट : जड़ी बूटियों से बना सभी बिमारियों को दूर करने का रामबाण उपाय।



मोरिंगा

मोरिंगा - यह चमत्कारी वृक्ष होता है जो 300 से अधिक बिमारियों को रोकने में सहायक होता है

सहजन पाचन, त्वचा, सिरदर्द, उच्च रक्तताप, शारीरिक कमजोरी को दूर करता है, आँतो की सफाई करता है, कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, विषैले तत्वों को बाहर निकालता है, पोषक तत्वों की पूर्ति करता है, नई सेल्स का निर्माण करता है. सोराइसिस की समस्या से बचाता है, ब्लड प्रेशर पर नियंत्रण रखता है, लीवर के सामान्य कार्य को बढ़ावा देता है, हार्ट की समस्या से बचाता है अस्थमा की बीमारी को ठीक करता है, शरीर में प्रतिरक्षा प्रणाली को पोषण देता है।



ऑगेनो वलगारे



ऑगेनो वलगारे - यह उत्तम जड़ी-बूटी है जिसमें सेव से 40 गुना संतरे से 12 गुना और ब्लूबेरी से 4 गुना अधिक एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, इसे अजवाइन की पतियाँ भी कहा जाता है।

फाएदे - शारिरिक समस्याओं में आराम के लिये अपच में पेट दर्द केन्सर, सूजन, मधुमेह, जोड़ो को फायदेमंद एनिमिया से राहत दिलाए, जुखाम बुखार से आराम रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।



करेला

हरी सब्जियों के बीच आकर्षित करने वाला करेला स्वाद में भले ही कड़वा लगता हो लेकिन इससे होने वाले फायदे जरूर मीठे हैं।

करेले के फायदे

- ----- हृदय से जुड़ी बिमारियों में फायदा करता है।
- ----- अस्थमा में भी यह काफी फायदेमंद है।
- ---- पेट से जुड़ी समस्याओं में भी फायदा करता है।
- ----- पीलिया व खसरे में फायदा करता है!
- ----- त्वचा रोगों में फाफी फायदा करता है!
- ----- मधुमेह में भी करेला फायदेमंद है!
- ----- जोड़ों के दर्द में करेला राहत देता है।
- ----- रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है.
- ----- उल्दी दस्त में यह बहुत फायदा करता है।
- ----- पथरी जैसी बिमारी में फायदा करता है।



शिलाजित



शिलाजित - यह एक प्राकृतिक प्रदार्थ है यह (निर्बलता नाशक) भी होता है जो हिमाचल में पाया जाता है, जो आपकी **Immunity System** को **Abnormal** तरिके से सहायता प्रदान करने हेतु 84 खनिजों का मिश्रण होता है।

खनीज - K, Mg, Po, Pas, Sodium

फायदे - याददाश्त बढ़ता है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट पाया जाता है, टेस्टेरोन स्तर को बढ़ता है, ये एन्टीस्ट्रेस घटक है, एनिमिया में सहायता, बुढ़ापा विरोधी घटक है



काली मिर्च

काली मिर्च - यह अत्यंत शक्तिशाली मसाले का मिश्रण होता है

पोषक तत्वों (कार्बोहाईट प्रोटीन, वसा, खनिज, विटामिन, पानी) के अवशोषण में 60 प्रतिशत तक वृद्धि में सहायक

फायदे - पाचन में सर्दी खासी में वजन कम करने, भुख बढ़ाने, इन्फेक्शन से बचने के लिये, व मस्तिष्क के लिये, केन्सर से बचाव, डायबिटीज व ब्लड शुगर के लिए कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, और आंत स्वास्थ्य के लिये लाभदायक



नीम



नीम के फायदे

नीम का पौधा खून को शुद्ध करने का एक सर्वश्रेष्ठ प्राकृतिक स्रोत है। नीम को इसलिए अनेक चिकित्सा उपयोगिताओं की वजह से 2000 से ज्यादा वर्षों से अनेक चिकित्सा रोगों को ठीक करने में इस्तेमाल किया जा रहा है। नीम डायबिटीज के रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद है। नीम को मुख्यतौर पर त्वचा सम्बन्धित रोगों में उपयोग किया जाता है। नीम हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है तथा ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित करता है और साथ ही कील मुहांसों को दूर कर चेहरे को साफ करता है।

- त्वचा के लिए
- एलर्जी के लिए
- घाव भरता है।
- रक्त शुद्ध करने में सहायक
- मधुमेह
- पेट के कीड़े
- ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है।
- बैक्टीरिया से लड़ता है।
- मलेरिया से राहत
- जल जाने पर काम आता है
- कान दर्द में फायदेमंद
- वजन कम करता है
- दाग धब्बों से राहत





आवला

आवला - यह उत्तम एंटीऑक्सीटेड युक्त आवश्यक पोषक तत्व जो मुक्त डी.एन.ए की क्षति को अवरुद्र करता है।

फायदे - पीलिया मोतियाबिंद, आखो की बिमारी ऐसीडिटी याददास्त बढ़ाने हृदय को स्वस्थ रखने में फायदेमंद होता है, गठियाँ के दर्द से आराम दिलाता है। गले में खरास के लिये फायदेमंद, बढ़ती उम्र के प्रभाव को रोकने के लिये, नसों की कमजोरी दूर करने में



अनार का छिलका



अनार का छिलका - बुढ़ापा-रोधी उत्तम आहार होता है यह पॉलीफेनोल का समृद्ध स्रोत है (पॉलीफेनोल-यह सेव, लॉग, बिस, डार्क चॉकलेट आदि में पाया जाता है। इसमें उच्च मात्रा में ऐन्टीऑक्सीडेंट होता है और यह कोशिकाओं की क्षति होने से रोकते हैं

फायदे - हृदय रोग के लिये, विशाक्त पदार्थों को शरीर से बाहर निकालता है, विटामिन सी का स्रोत होता है,

स्किन कैंसर से बचाता है, मोस्चराईज बनाता है, मुंह के स्वास्थ्य के लिये फायदेमंद है यह फ्री रेडिकल्स को कम करने, खांसी व गले की खरास को कम करता है, बालों के लिये फायदेमंद, उच्च रक्तचाप कॉलेस्ट्रॉल में फायदेमंद



रोजमेरी

रोजमेरी - यह सुई जैसी पत्तियों वाली भूमध्य जड़ी-बुटी होती है यह प्रज्वलन रोधी यौगिको व रोगाणुरोधी घटक की उत्तम स्रोत है।

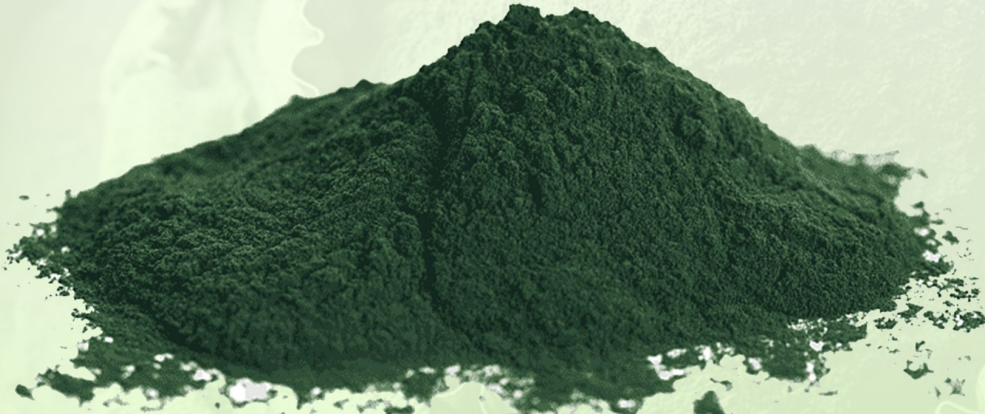
फायदे - रोजमेरी में बहुत से पोष्टिक तत्व होते हैं जो स्वास्थ्य के लिये लाभदायक होते हैं

पोष्टिक तत्व - आयरन, कैल्शियम, ऐन्टीऑक्सीडेंट
विटामिन बी 6

यह इमनियुटी को बढ़ाता है, मासपेशियों को मजबूत करता है, त्वचा के संक्रमण को कम करता है, तनाव दूर करता है, याददास्त तेज करता है, पेट की समस्या को दूर करता है।



स्परुलिना



स्परुलिना - अत्यंत शक्तिशाली घटक मस्तिष्क एवं तंत्रिका तंत्र के सामान्य रूप से कार्य करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

65 प्रतिशत हिस्सा प्रोटीन, शुद्ध 100 गुणा विटामिन ए, पालक से 50 गुणा ज्यादा आयरन गाजर से 10 गुणा ज्यादा कैरोरिन दूध से 7 गुणा ज्यादा कैल्शियम अंडे से 6 गुणा ज्यादा प्रोटीन, क्लोरोफिल से भरपूर होता है. 18 प्रकार के विटामिन और मिनरल्स का भंडार होता है, अमिनो एसिड के सभी प्रकारों से युक्त है, एंटी ऑक्सीडेंट से भरे होते है

फायदे - मधुमेह, डिप्रेशन, डार्क सर्कल, कॉलस्ट्रॉल कम करना, बालों का गिरना कम करता है, बुधापा विरोधी, स्वरा नाखून, केन्सर से बचाव करता है

मैथी



मैथी - निम्न रक्त व कम घनत्व के लाइपोप्रोटीन वाले अनुपयुक्त रक्तवसा की उपचारात्मक क्षमता व खनिजों से समृद्ध मसाला बीज

यह स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, रक्तचाप में सुधार करता है, किडनी को स्वस्थ रखता है, बालों के लिये फायदेमंद, टेस्टेस्टेरॉन को बढ़ाता है, हृदय के लिए, वजन घटाने में त्वचा के लिए



हल्दी

हल्दी - करी मसाले का मिश्रण होता है, जिसमें कर्क्यूमिन नामक शक्तिशाली औषधीय अवयव होता है, जो सूजन व जलन से आणविक स्तर पर लड़ने वाला एक जैव-सक्रिय पदार्थ है।

फायदे - चर्म रोग, घाव को भरने खून में शुगर की मात्रा कम करने तथा पीलिया में फायदेमंद मुँह के छालों में, सूखी खांसी में बवासिर में, पेट के अल्सर में फायदा करता है



फ्लैक्स सीड ऑइल



Flax Seed oil को Linseed oil के नाम से भी जाना जाता है जो कि 7000 वर्ष से ज्यादा समय से उपयोग में लाया जा रहा है. Flax Seed oil को मुख्य तौर पर हृदय रोगों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इन जानलेवा बीमारियों से पीड़ित लोगों की जीवन भर खर्चीले इलाज दवाइयों और ऑपरेशनों से गुजरना पड़ता है। जबकि इनसे बचा भी जा सकता है। चिकित्सा समाज ने पाया कि ठंडे प्रदेशों में रहने वाले लोगों को दिल की बीमारियों काफ़ी कम होती हो, अनुसंधान से पता चला कि ये लोग OMEGA - 3 Fatty Acids की प्रचुर मात्रा वाली मछलियाँ खाते थे जिससे उन लोगों को हृदय रोग कम होते थे शोध से भी पता चला कि कुछ पोषक पूरक तत्वों से इस खतरनाक समस्या से छुटकारा मिल सकता है, दुनियाभर के वैज्ञानिकों ने अपने शोध में पाया कि अन्य की तुलना में Flax बीज का तेल स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत ही श्रेयकार है। Flax बीज तेल में मछली के मुकाबले 50 प्रतिशत ज्यादा OMEGA -3 Fatty ACID मौजूद होता है। भारत में इसे आम जुबान में अलसी का तेल भी कहा जाता है। जो कई रोगों को भगाने में रामबाण के रूप में प्रचलित है Flax बीज जरूरी Fatty Acid का दुनियाभर का सबसे श्रेष्ठ, शाकाहारी स्तोत्र है। इसमें OMEGA- 3 जिसे ALA कहते हैं। कि 50-60 प्रतिशत होती है OMEGA - 3 खासकर हृदय तकलीफ आत्र शोधो रोगों जैसे गठिया के लिए प्रकृति का वरदान है



स्टार ओमेगा कैप्सूल



- यह हर्ट हेल्थ के लिए बेहतर है।
- यह परिसंचरण में सुधार करता है।
- यह हंडीयों और जोड़ों के लिए बेहतर है।
- यह सूजन में सुधार करता है।
- यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर में सुधार करता है।
- यह हार्मोनल संतुलन में मदद करता है।
- यह तंत्रिका तंत्र के काम करने में मदद करता है।
- यह एकाग्रता में सुधार करता है।
- यह मूड की स्थिरता में सुधार करता है।
- यह प्रतिरक्षा में सुधार करता है।
- यह बालों, त्वचा और नाखूनों के लिए बेहतर है।
- यह वजन घटाने में मदद करता है।

उपयोग -

करने की विधि

1: 2 कैप्सूल दिन में दो बार इस्तेमाल करें चिकित्सक के परामर्शानुसार

रक्षक 20-20



खाद एव कीटनाशकों के खर्चों में
40-50 प्रतिशत की बचत करता है।



रक्षक 20-20 का उपयोग कैसे करें?

- स्प्रे एवं ड्रिप से इस्तेमाल कर सकते हैं।
- मिट्टी एवं खाद में मिलाकर डाल सकते हैं।
- पानी के साथ दे सकते हैं।

रक्षक 20-20 के फायदे

- पौधों का अंकुरन जल्दी होता है।
- पौधों का मरना कम करता है।
- सफेद जड़ों की संख्या में बढ़ोतरी होती है।
- पत्तों का गिरना, फल, फूल गिरना कम करता है।
- फसल के फूल और फल के आकार में बढ़ोतरी करता है।
- फलों के रंग चमक, टिकाव क्षमता में बढ़ोतरी करता है।
- जल प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।
- मिट्टी की उपजाऊ क्षमता बेहतर बनाता है।
- वृद्धि के समय पौषक तत्वों की आपूर्ति में सहायता करता है।
- तेज धूप से बचाता है एवं सर्दी में पौधों की रक्षा करता है।
- सभी प्रकार के पेड़ पौधों में डाला जा सकता है।

रक्षक 20-20 का उपयोग करते समय मात्रा कितनी रखें?

- 15 से 20 लीटर पानी में 60 से 70 ग्राम
- 1 बीघा में 250 ग्राम (प्रत्येक 10 में डाल सकते हैं)



रक्षक 20-20 PLUS

नई पद्धति से निर्मित **जैविक खाद** स्पेशल प्याज के लिए

रक्षक 20-20 प्लस के फायदे :

- प्याज के तने को मजबूत करता है
- प्याज के आकार को मोटा करता है
- प्याज का सर्वांगी विकास होता है
- मिट्टी की उपजाऊ क्षमता को बेहतर बनाता है
- बारिश में भी प्याज की रक्षा करता है
- उत्पादन में बहुत बढ़ोतरी करता है
- प्याज की जड़ों को गलने से बचाता है
- प्याज की खेती में समय एवं पानी की बचत भी करता है।

विधि :

- 1 बीघा में 1 किलो (5 बार) प्रत्येक 10 दिन में डालना जरूरी है
- स्प्रे व ड्रिप्स से भी इस्तेमाल कर सकते हैं
- मिट्टी में भी मिलाकर डाल सकते हैं
- पानी के साथ भी दे सकते हैं

खेती व डालने वाले को किसी प्रकार का कोई साइड इफेक्ट नहीं है

नोट : खाद एवं कीटनाशकों के खर्चों में 40-50 प्रतिशत की बचत करता है





*The way
of success*

STAR TWENTY MARKETIN PVT. LTD.

Ph. : 79761 43685, 79761 43688